मेरे सतगुरु जी तुसी मेहर करो,
मैं दर तेरे ते आयी हुई आँ,
मेरे कर्मां वल ना वेखेयो जी,
मैं कर्मां तो शरमाईं हुई आँ,
मेरें सतगुरु जी तुसी मेंहर करो,
मैं दर तेरे ते आयी हुई आँ।।

जो दर तेरे ते आजांदा,
ओह असल खजाने पा जांदा,
मैंनू वी खाली मोड़ी ना,
मैं वी दर ते आस लगाई होई आँ,
मेरे कर्मां वल ना वेखेयो जी,
मैं कर्मां तो शरमाईं हुई आँ।।

तुसी तारणहार कहोंदे हो,
डूबेया नु बन्ने लोंदे हो,
मेरा वी वेडा पार करो,
मैं वी दु:खीयरण आयीं होई आँ,
मेरें सतगुरु जी तुसी मेंहर करो,
मैं दर तेरे ते आयी हुई आँ।।

सब संगी साथी छोड़ गये,
सब रिश्ते नाते तोड़ गए,
तू वी किदरे ठुकरावीं ना,

ए सोच के मैं घबराईं हुई आँ,
मेरे कर्मां वल ना वेखेयो जी,
मैं कर्मां तो शरमाईं हुई आँ।।

मेरे सतगुरु जी तुसी मेहर करो,
मैं दर तेरे ते आयी हुई आँ,
मेरे कर्मां वल ना वेखेयो जी,
मैं कर्मां तो शरमाईं हुई आँ,
मेरें सतगुरु जी तुसी मेंहर करो,
मैं दर तेरे ते आयी हुई आँ।।

Singer Siddharth Mohan
Upload By Rashmi Jain

Source:
https://www.bharattemples.com/mere-satguru-ji-tusi-mehar-karo-siddharth-mohan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw